''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ''

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

Faculty Education & Methodology

Faculty Name - JV'n Chanda kumawat
(Assistant Professor)

Program - 5 Semester / Year B.A B.ED

Course Name - HINDI kavya

Session No. & amp; Name - 1.1- 0.1

(हिंदी साहित्य का आधुनिककालीन साठोत्तरी कविता का इतिहास)

Academic Day starts with – 10.8.23 **THURDAY**

PLANNING AND STARTED

(Basic Knowledge For Student)

<u>साठोत्तरी कविता का इतिहास</u> -

'साठोत्तरी कविता' **मूलत: सन् 1967 के बाद की कविता को कहा जाता है**। 'नई कविता', 'नवगीत', 'प्रगतिवादी कविता' जैसी तमाम पूर्ववर्ती काव्य-प्रवृत्तियों के साथ साठोत्तरी कविता या अकविता समानान्तर चल रही थी।

साठोत्तरी हिन्दी साहित्य हिन्दी साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत सन् 1960 ई० के बाद मुख्यतः नवलेखन (नयी कविता, नयी कहानी आदि) युग से काफी हद तक भिन्नता की प्रतीति कराने वाली ऐसी पीढ़ी के द्वारा रचित साहित्य है जिनमें विद्रोह एवं अराजकता का स्वर प्रधान था। हालाँकि इसके साथ-साथ सहजता एवं जनवादी चेतना की समानान्तर धारा भी साहित्य-क्षेत्र में प्रवहमान रही जो बाद में प्रधान हो गयी। साठोत्तरी लेखन में विद्रोही चेतनायुक्त आन्दोलन प्राथमिक रूप से कविता के क्षेत्र में मुखर हुई। इसलिए इससे सम्बन्धित सारे आन्दोलन मुख्यतः कविता के आन्दोलन रहे। हालाँकि कहानी एवं अन्य विधाओं पर भी इसका असर पर्याप्त रूप से पड़ा और कहानी के क्षेत्र में भी 'अकहानी' जैसे आन्दोलन ने रूप धारण किया। .

एलेन गिन्सबर्ग, डॉ॰ नगेन्द्र, त्रिलोचन शास्त्री, धीरेन्द्र वर्मा, नयी कहानी, नयी कविता, नागरीप्रचारिणी सभा, नंददुलारे वाजपेयी, परमानन्द श्रीवास्तव, परम्परा, प्रतीक, प्रभाकर माचवे, बच्चन सिंह, बिंब, बंगाल, बीट पीढ़ी, भूखी पीढ़ी, मलय रॉय चौधुरी, रामदरश मिश्र, रामधारी सिंह 'दिनकर', रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल चौधरी, लक्ष्मीकांत वर्मा, शमशेर बहादुर सिंह, साहित्य, संस्कृति, संवेद, सुबिमल बसाक, हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, आधुनिकतावाद, कहानी, काव्य, अज्ञेय, छायावाद।